भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *111
11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

समुद्री शैवाल की खेती

+*111. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत समुद्री शैवाल की खेती के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता तथा विभिन्न श्रेणियों के लाभार्थियों हेतु राजसहायता के प्रतिशत का ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान इस योजना के तहत समुद्री शैवाल की खेती के लिए राज्यवार कितने लाभार्थी सहायता प्राप्त कर चुके हैं;
(ग) इस अवधि के दौरान आवंटित और उपयोग की गई धनराशि सहित समुद्री शैवाल नर्सरी, प्रसंस्करण इकाइयों और मूल्य संवर्धन सुविधाओं की स्थापना के लिए इस योजना के तहत बुनियादी ढांचे से संबंधित प्रदत्त सहायता का राज्यवार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं या क्षमता निर्माण संबंधी पहलें की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) देश में समुद्री शैवाल की खेती करने वाले किसानों के लिए बाजार संपर्क और निर्यात प्रोत्साहन की सुविधा के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं, और
(च) विगत पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में जिलावार ब्यौरे सहित समुद्री शैवाल की खेती के तहत भूक्षेत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (च): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

“समुद्री शैवाल की खेती” (सी वीड कल्टीवेशन) के संबंध में 11-02-2025 को उत्तर के लिए श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

जून 2020 में भारत सरकार ने देश में मात्स्यिकी क्षेत्र के संवर्धन के लिए 20,050 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) नामक एक प्रमुख योजना शुरू की। पीएमएमएसवाई के अंतर्गत समुद्री शैवाल (सी वीड) की खेती को बढ़ावा देना प्राथमिक गतिविधियों में से एक है। इस क्षेत्र में खेती के तरीकों का विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर, जागरूकता, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बेहतर बनाने एवं सी वीड व्यापार की मूल्य शृंखला (वैल्यू चैन) को सक्षम रूप से प्रभावी बनाने के लिए सहायता दी जाती है।

पीएमएमएसवाई के अंतर्गत, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने 98.97 करोड़ रुपए के केंद्रीय अंश के साथ 194.09 करोड़ रुपए की लागत वाली सी वीड परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें 47,245 राफ्ट, 65,480 मोनोलाइन/ट्यूबनेट की स्थापना, मल्टीपरपस सी वीड पार्क, सी वीड बीज बैंक, सी वीड खेती पर पूर्व-व्यवहार्यता मूल्यांकन अध्ययन परियोजनाएं, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए लाभार्थियों को प्रदान की गई सहायता शामिल है।

मोनोलाइन/ट्यूबनेट विधि से सी वीड की खेती के लिए पीएमएमएसवाई की लाभार्थी प्रेरित गतिविधियों के अंतर्गत सब्सिडी पैटर्न में प्रति राफ्ट के लिए 1,500 रुपए और प्रति मोनोलाइन/ट्यूबनेट के लिए 8,000 रुपए की सहायता शामिल है। पीएमएमएसवाई योजना के अनुसार अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति / महिला लाभार्थियों के लिए परियोजना लागत पर 60% सब्सिडी प्रदान की जाती है, जबकि सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों के लिए 40% सब्सिडी प्रदान की जाती है। परियोजनाओं को लाभार्थी गतिविधियों और गैर-लाभार्थी गतिविधियों दोनों के लिए कार्यान्वित किया जाता है, जिसमें केंद्र और राज्य के बीच 60:40 के अनुपात में निधि साझा की जाती है। पीएमएमएसवाई के अंतर्गत अनुमोदित सी वीड की खेती के लिए लाभार्थी प्रेरित परियोजनाओं का राज्यवार विवरण, सब्सिडी पैटर्न अनुबंध-I में दिया गया है।

पीएमएमएसवाई के गैर-लाभार्थी घटक के अंतर्गत दमन और दीव के लिए 120 लाख रुपए की परियोजना लागत से एक सी वीड बीज बैंक को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, विभिन्न आईसीएआर और सीएसआईआर संस्थानों के लिए 465.07 लाख रु/- की कुल लागत की 6 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार द्वारा पीएमएमएसवाई के केन्द्रीय क्षेत्र/सेंट्रल सैक्टर (सीएस) के तहत 100% वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

वर्तमान में, देश में सी वीड का अग्रणी उत्पादक तमिलनाडु है। तमिलनाडु में सी वीड की खेती के लिए लगभग 5,048 हेक्टेयर संभावित क्षेत्र की पहचान की गई है, और विभिन्न उद्योगों में सी वीड की मजबूत मांग को देखते हुए, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने पीएमएमएसवाई के केंद्र प्रायोजित घटक और केंद्रीय क्षेत्र योजना घटक के तहत 75.16 करोड़ रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ 127.71 करोड़ रुपए की कुल लागत से तमिलनाडु में एक बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क (मल्टीपर्पस सी वीड पार्क) स्थापित करने की परियोजना को मंजूरी दे दी है।

तमिलनाडु में मल्टीपरपस सी वीड पार्क परियोजना को ‘हब और स्पोक मॉडल’ के रूप में क्रियान्वित किया गया है। परियोजना के अंतर्गत सी वीड की खेती के लिए तमिलनाडु के छह तटीय जिलों (नागापट्टिनम, तंजावुर, तिरुवरुर, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम और थूथुकुडी) में कुल 136 तटीय गांवों की पहचान की गई है। रामनाथपुरम और पुदुकोट्टई जिलों को हब I और हब II सुविधाओं की स्थापना के लिए नामित किया गया है। वर्तमान में, हब I और स्पोक सुविधाओं में 50 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

लक्षद्वीप द्वीप समूह में सी वीड को अगत्ती, कवरत्ती, कदमत, चेतलाट और किल्टन द्वीपों में ग्रेसिलेरिया एडुलिस और सैलिकोर्निया प्रजातियों के साथ प्रोत्साहित किया जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ हुए परामर्श के आधार पर, 11 सितंबर, 2024 को मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने लक्षद्वीप में 'सी वीड क्लस्टर' के विकास की घोषणा की है।

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने सी वीड खेती के लिए दक्षिण अंडमान में 49.63 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि की पहचान की है। स्थानीय लोगों को वाणिज्यिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चिड़ियाटापू में पांच हेक्टेयर पर "सी वीड डेमोन्स्ट्रेशन" परियोजना शुरू की गई है ।

सी वीड की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण पहलों के संबंध में, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) ने 2016-17 से 2024-25 की अवधि में विभिन्न अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के माध्यम से 7,135 मछुआरों, मत्स्य-किसानों, तटीय समुदायों के लिए एक्स्पोशर विसिट, जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण से संबंधित 58 कार्यक्रमों के लिए और तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मात्स्यिकी विभागों के 35 अधिकारियों के लिए ट्रेनेर्स ऑफ ट्रेनी (टीओटी) कार्यक्रमों को सहायता प्रदान की है।

सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई ने 2017-2025 के दौरान सी वीड की खेती और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी पर आयोजित कुल 63 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 2529 हितधारकों (मछुआरों, उद्योग और उद्यमी) को प्रशिक्षित किया है। इसके अलावा, आईसीएआर-सीएमएफआरआई ने पिछले 3 वर्षों (2022-2024) के दौरान सी वीड की खेती को बढ़ावा देने के लिए 7490 लाभार्थियों को शामिल करते हुए 102 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

2019 में सीएसएमसीआरआई, मंडपम के सहयोग से आंध्र प्रदेश के तट पर लगभग 2000 मछुआरों के लिए ग्राम स्तर पर जागरूकता और प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

03.09.2024 को मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने देश में सी वीड के समग्र विकास और सपोर्ट के लिए सीएमएफआरआई के मंडपम क्षेत्रीय केंद्र को 'उत्कृष्टता केंद्र'/ 'सेंटर ऑफ एक्ससलेन्स' घोषित किया है। नीति आयोग ने मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार और सीएसआईआर-सीएमएफआरआई, सीएसएमसीआरआई, एनआईओटी और एनसीएससीएम जैसे तकनीकी संस्थानों के सहयोग से 'स्ट्रेटेजी फॉर द डेवलपमेंट ऑफ सीवीड वैल्यू चेन: फोस्टरिंग डाईवरसिफाईड़ लाईवलीहुड़' के नाम से एक पॉलिसी रिपोर्ट पब्लिश की है ।

सी वीड किसानों के लिए बाजार संपर्क (मारकेट लिंकेज) और निर्यात संवर्धन की सुविधा के लिए तमिलनाडु में सी वीड पार्क परियोजना के तहत एफएफपीओ का गठन किया जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने सूचित किया है कि 136 गांवों की पहचान संभावित सी वीड खेती क्षेत्रों के रूप में की गई है। इसके अलावा, गुजरात सरकार ने 7 जनवरी, 2025 को एक एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरस्ट (ईओआई) जारी किया है, जिसमें निजी उद्यमों को बड़े पैमाने पर सी वीड की खेती, सी वीड बैंकों और प्रसंस्करण इकाइयों में अवसरों को एक्स्प्लोर करने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि मार्केट लिंकेजस को मजबूत किया जा सके। सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई द्वारा रिपोर्ट किए गए अनुसार विगत पांच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश सहित सी वीड की खेती के तहत क्षेत्र का विवरण अनुबांध-III में है, जबकि आईसीएआर-सीएमएफआरआई द्वारा रिपोर्ट किए गए अनुसार सी वीड की खेती के प्रदर्शन के तहत क्षेत्र अनुबंध-IV में है।

*****

अनुबंध ।

(जैसा कि "समुद्री शैवाल की खेती" के संबंध में 11-02-2025 को उत्तर देने के लिए श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर में उल्लेख किया गया है)

पीएमएमएसवाई के तहत स्वीकृत समुद्री शैवाल की खेती के लिए लाभार्थी उन्मुख परियोजनाओं का राज्यवार विवरण, जिसमें सब्सिडी पैटर्न दिया गया है **(रुपए लाख में)**

इनपुट सहित समुद्री शैवाल कल्चर राफ्ट की स्थापना (प्रति राफ्ट)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृत इकाइयाँ	कुल परियोजना लागत	केंद्रीय शेयर	राज्य शेयर	लाभार्थी शेयर	प्रत्याशित लाभार्थी
आंध्र प्रदेश	26000	390	115.2	76.8	198	1513
कर्नाटक	10000	150	45	30	75	667
लक्षद्वीप	500	9	5.4	0	3.6	50
महाराष्ट्र	1000	15	5.4	3.6	6	67
तमिलनाडु	9745	146.18	52.626	35.084	58.47	1000
कुल योग	**47245**	**710.18**	**223.626**	**145.484**	**341.07**	**3297**

(रुपए लाख में)

इनपुट सहित मोनोलाइन / ट्यूबनेट विधि से समुद्री शैवाल कल्चर की स्थापना

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृत इकाइयाँ	कुल परियोजना लागत	केंद्रीय शेयर	राज्य शेयर	लाभार्थी शेयर	प्रत्याशित लाभार्थी
आंध्र प्रदेश	41200	3296	902.4	601.6	1792	2847
गुजरात	400	32	10.55	7.04	14.4	80
कर्नाटक	21000	1680	508.8	339.2	832	1000
लक्षद्वीप	250	125	75		50	50
तमिलनाडु	2630	210.4	75.746	50.494	84.16	800
कुल योग	**65480**	**5343.4**	**1572.496**	**998.334**	**2772.56**	**4777**

(रुपए लाख में)

तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क (मल्टीपरपस सी वीड पार्क) की स्थापना

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वित्तीय वर्ष	कुल परियोजना लागत	केंद्रीय शेयर	राज्य शेयर	लाभार्थी शेयर	प्रत्याशित लाभार्थी
तमिलनाडु	2022-23	12771	7516	4894	360	700

अनुबांध II

(जैसा कि "समुद्री शैवाल की खेती" के संबंध में 11-02-2025 को उत्तर देने के लिए श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर में उल्लेख किया गया है)

पीएमएमएसवाई के अंतर्गत समुद्री शैवाल पर विभिन्न संस्थानों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को स्वीकृत केंद्रीय क्षेत्र (सीएस) परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	कार्यान्वयन एजेंसी/परियोजना प्रस्तावक	परियोजना का नाम	परियोजना लागत (रुपए लाख में)
(i)	**(ii)**	**(iii)**	**(v)**
1	सीएसआईआर-केंद्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान सीएसएमसीआरआई)	तमिलनाडु तट पर कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी की व्यापक खेती को बढ़ावा देने के लिए सीड प्लांट उत्पादन	53.185
2	अंडमान और निकोबार केंद्र शासित प्रदेश	अंडमान तट पर व्यावसायिक रूप से मूल्यवान समुद्री शैवाल की प्रायोगिक पैमाने पर खेती की पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन और स्थापना	82.74
3	1. एनसीएससीएम, एमओईएफ, भारत सरकार। 2. सीएसएमसीआरआई, सीएसआईआर, भारत सरकार और 3.सीएमएफआरआई, आईसीएआर, भारत सरकार	तमिलनाडु के मन्नार की खाड़ी में समुद्री शैवाल की खेती की संभावना और पारिस्थितिक सुरक्षा उपायों पर संयुक्त अध्ययन	59.70
4	सीएसआईआर-केंद्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान(सीएसएमसीआरआई)	महाराष्ट्र के तट पर समुद्री शैवाल की खेती शुरू करने की रणनीति	121.31
5	आईसीएआर – केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई)	कोरी, पडाला और कच्छ तट, गुजरात के अन्य चयनित स्थानों पर समुद्री शैवाल की खेती की व्यवहार्यता का आकलन और प्रचार गतिविधियों की खोज	94.92
6	सीएसआईआर-केंद्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई)	गुजरात के कच्छ की खाड़ी में कोरी क्रीक और उसके आसपास समुद्री शैवाल की खेती के लिए कौशल, क्षमता निर्माण और पूर्व-व्यवहार्यता मूल्यांकन	53.22
		कुल	**465.07**

अनुबंध III

(जैसा कि "समुद्री शैवाल की खेती" के संबंध में 11-02-2025 को उत्तर देने के लिए श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर में उल्लेख किया गया है)

सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई द्वारा विगत पांच वर्षों (2020-2025) के दौरान समुद्री शैवाल की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का विवरण

क्र.सं.	जगह	जिला	खेती के लिए उपयोग में लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)
		गुजरात	
1.	गोजी नेस	जामनगर	0.0035
2.	नवद्र	जामनगर	0.0035
3.	पिपर गांव	कच्छ	0.1
4.	नैनिचर	कच्छ	0.1
5.	नारायण सरोवर	कच्छ	0.1
6.	कलाबन	जामनगर	0.0625
7.	वावाला	जामनगर	0.0625
	कुल		**0.432**
		महाराष्ट्र	
8.	बुरोंदी	रत्नागरी	0.0035
9.	कोलथारे	रत्नागरी	0.0035
10.	कालबादेवी	रत्नागरी	0.0035
11.	मिर्या बंदर	रत्नागरी	0.0035
12.	मालवनकोलम्ब	सिंधुदुर्ग	0.0035
13.	वेंगुर्लामुथ	सिंधुदुर्ग	0.0035
14.	मोचेमद	सिंधुदुर्ग	0.0035
15.	शिरोडा	सिंधुदुर्ग	0.0035
16.	भीव बंदर	रत्नागिरि	05
17.	बुरोंदी	रत्नागरी	10
18.	कालबादेवी	रत्नागिरि	20
	कुल		**35.028**
		गोवा	
19.	हवाई	दक्षिण गोवा	0.0035
20.	बंबोलिम	उत्तर गोवा	0.0035
21.	होलांट	दक्षिण गोवा	0.0035
22.	बोगमालो	दक्षिण गोवा	0.0035
	कुल		**0.014**
	कर्नाटक		
23.	बावल	उत्तर कन्नड़	0.0035
24.	केनी	उत्तर कन्नड़	0.0035
25.	मारावंथे	उडुपी	0.0035
26.	बेनेगेरे	उडुपी	0.0035
27.	पनान्बुर	दक्षिण कन्नड़	0.0035
	कुल		**0.0175**
	केरल		
28.	कोडिक्कल	कोझिकोड	0.0035
29.	एलाथुर	कोझिकोड	0.0035
30.	कडालुंडी	कोझिकोड	0.0035
31.	पुथानथोड़	त्रिशूर	0.0035
32.	थिरुमुल्लावरम	त्रिशूर	0.0035
33.	मायानाद	वायनाड	0.0035
34.	एट्टीकुलम	कन्नूर	0.0035
	कुल		**0.0245**

	तमिलनाडु		
35.	सेतुबावचत्रम	तंजावुर	0.0035
36.	मनोरा	तंजावुर	0.0035
37.	अदैक्कादेवन	तंजावुर	0.0035
38.	कोविलपथु	नागपट्टिनम	0.0035
39.	थारंगमपदी	नागपट्टिनम	0.0035
40.	ओडाविमादम	पुथुकोट्टई	1
41.	एमआरपेटिनम	रामनाथपुरम	0.5
42.	नम्बूथलाई	रामनाथपुरम	1
43.	सोलियाकुडी	रामनाथपुरम	2
44.	पुदुपतिनम	रामनाथपुरम	1
45.	थोनिथुरै	रामनाथपुरम	1
46.	मंगदु	रामनाथपुरम	4
47.	संबाई	रामनाथपुरम	8
48.	उमायलपुरम	रामनाथपुरम	6
49.	पिरप्पनवलसाई	रामनाथपुरम	0.0035
50.	कोट्टईकाडु	चेंगलपट्टू	0.0035
51.	पंजाल	तिरुनेलवेली	0.0035
52.	उवारी	तिरुनेलवेली	0.0035
53.	मुल्लुकम्बि	तूतीकोरिन	0.0035
कुल			**24.535**
अंडमान द्वीप समूह			
54.	एवेस द्वीप	उत्तर एवं मध्य अंडमान	0.0035
55.	साउंड आइलैंड	उत्तर एवं मध्य अंडमान	0.0035
56.	दुर्गापुर	उत्तर एवं मध्य अंडमान	0.0035
57.	एरियल बे लाइट हाउस	उत्तर एवं मध्य अंडमान	0.0035
58.	मायाबंदर	मायाबंदर , दक्षिण अंडमान	1.0
59.	दिगलिपुर	डिगलीपुर , उत्तर अंडमान	0.5
60.	जर्मन जेटी	मायाबंदर , दक्षिण अंडमान	1.0
61.	एवेस द्वीप	मायाबंदर , दक्षिण अंडमान	5.0
62.	ध्वनि द्वीप	मायाबंदर , दक्षिण अंडमान	5.0
63.	एरियल बे लाइटहाउस	डिगलीपुर , उत्तर अंडमान	1.0
64.	दुर्गापुर	डिगलीपुर , उत्तर अंडमान	3.0
कुल			**16.514**
आंध्र प्रदेश			
65.	चेपालापाडा	विशाखापट्टनम	0.0035
66.	मंगामारीपेटा	विशाखापट्टनम	0.0035
67.	थिम्मापुरम	विशाखापट्टनम	0.0035
68.	कोनाडा	विशाखापट्टनम	0.0035
69.	बी.जी. पेट्टा	विशाखापट्टनम	0.0035
70.	करेदु	ओंगोल	0.0035
71.	कोंडुरुपालेम	तिरुपति	0.0035
72.	अंजलिपुरम	तिरुपति	0.0035
73.	वेंकटेश्वरपुरम	नेल्लोर	0.0035
74.	पोन्नापुदिवेंकटनारायणपुरम	नेल्लोर	0.0035
कुल			**0.035**

ओडिशा			
75.	मार्कंडी	गंजम	0.0035
76.	नोलियानुआगांव	गंजम	0.0035
77.	रामचंडी	पुरी	0.0035
78.	दलुआकानी	पुरी	0.0035
79.	नुआगान	जगतसिंहपुर	0.0035
80.	अभयचंदपुर	बालासोर	0.0035
कुल			**0.021**
पश्चिम बंगाल			
81.	देउल बारी	दक्षिण 24 परगना	0.0035
82.	मंदारमोनी	पूर्वी मिदनापुर	0.0035
कुल			**0.007**
लक्षद्वीप द्वीप समूह			
83.	अगाती	अगाती	0.0035
84.	कवारत्ती	कवारत्ती	0.0035
कुल			**0.007**

अनुबंध IV

(जैसा कि "समुद्री शैवाल की खेती" के संबंध में 11-02-2025 को उत्तर देने के लिए श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर में उल्लेख किया गया है)

आईसीएआर-सीएमएफआरआई द्वारा समुद्री शैवाल खेती का प्रदर्शन

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	202 4-2025
तमिलनाडु	7.9 एकड़ (रामनाथपुरम , तूतीकोरिन और पुदुक्कोट्टई जिले)	9.75 एकड़ (रामनाथपुरम , तूतीकोरिन और पुदुक्कोट्टई जिले)	11.1 एकड़ (रामनाथपुरम , तूतीकोरिन और पुदुक्कोट्टई जिले)	14.1 एकड़ (रामनाथपुरम , तूतीकोरिन और पुदुक्कोट्टई जिले)	1 7 . 5 एकड़ (रामनाथपुरम , तूतीकोरिन , पुदुक्कोट्टई और तंजावुर जिले)
महाराष्ट्र	-	0.3 एकड़ (रत्नागिरी जिला)	0.54 एकड़ (रत्नागिरी जिला)	0.3 एकड़ (रत्नागिरी जिला)	-
गुजरात	2.5 एकड़ (गीर सोमनाथ जिला)	3.5 एकड़ (गीर सोमनाथ और कच्छ जिले)	5.75 एकड़ (गीर सोमनाथ और कच्छ जिले)	9.75 एकड़ (गीर सोमनाथ और कच्छ जिले)	9.90 एकड़ (गीर सोमनाथ और कच्छ जिले)
ओडिशा	1 एकड़ (बालासोर , जगतसिंगपुर , पुरी और गंजम जिले)	0.5 एकड़ (जगतसिंगपुर और पुरी जिले)	-	-	-
आंध्र प्रदेश	-	2.5 एकड़ (विशाखापट्टनम, गुंटूर और श्रीकाकुलम जिले)	2.5 एकड़ (विशाखापट्टनम, गुंटूर और श्रीकाकुलम जिले)	2.5 एकड़ (विशाखापट्टनम, गुंटूर और श्रीकाकुलम जिले)	5.0 एकड़ (विशाखापट्टनम, गुंटूर और श्रीकाकुलम जिले)
कर्नाटक	0.1 एकड़ (उत्तर कन्नड़ जिला)	0.1 एकड़ (उत्तर कन्नड़ जिला)	0.1 एकड़ (उत्तर कन्नड़ जिला)	-	0.02 एकड़ (दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिला)
लक्षद्वीप द्वीप समूह	0.004 एकड़	0.05 एकड़	0.07 एकड़	0.02 एकड़	0.02 एकड़